आईसीएआर - भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल

प्रमुख सलाह (अप्रैल, 01-15, 2026)

भारत के सभी क्षेत्रों में गेहूँ की बुआई और अन्य पद्धतियाँ

फसल मौसम 2025-26

---

1. जिन क्षेत्रों में गेहूँ की फसल पककर तैयार हो गई है, खास तौर पर मध्य क्षेत्र में, उसे कम्बाइन रीपर से काटा जाना चाहिए। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कटाई के समय उचित नमी (12-13%) सुनिश्चित करें और सुरक्षित भंडारण के लिए आवश्यक सफाई करें।
2. अनाज के भंडारण से पहले बीज के डिब्बे (बॉक्स) को अच्छी तरह से धूप में सुखा लें और सुनिश्चित करें कि भंडारण डिब्बे सभी प्रकार के कीड़ों/पतंगों से मुक्त हों।
3. गेहूँ की कटाई के बाद बची हुई फसल के अवशेषों को जलाना नहीं चाहिए तथा अवशेषों के साथ ही मूंग की फसल को बिना जुताई के बोना बेहतर होगा, इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी।
4. भंडारण क्षेत्र की स्वच्छता और कीटाणुशोधन को ठीक से सुनिश्चित करें और गेहूँ की बोरियों को फर्श के सीधे संपर्क से बचाने के लिए उन्हें लकड़ी के तख्तों रखें। उचित वायु परिसंचरण के लिए बोरियों के ढेरों के बीच पर्याप्त दूरी बनाए रखें।
5. भंडारण से पहले अनाज को अच्छी तरह से सुखा लें ताकि नमी सुरक्षित स्तर (<10%) पर बनी रहे। नए बीजों या अनाज को पुराने बीजों या अनाज के साथ न रखें। भण्डारण से पूर्व यह जांच कर लेनी चाहिए कि नये बीजों में कीट लगे हैं या नहीं। यदि कीट लगे हों तो भण्डार गृह में रखने से पहले एल्युमिनियम फॉस्फाइड से धुंआ कर देना चाहिए। अगली फसल के लिए उपयोग में लाए जाने वाले बीजों को भण्डारित करने के लिए कीटनाशक जैसे 6 मिलीलीटर मैलाथियान या 4 मिलीलीटर डेल्टामेथ्रिन से उपचारित करें। इसे 500 मिलीलीटर पानी में घोलकर प्रति क्विंटल बीज की दर से उपचारित करें तथा छाया में सुखाकर भण्डारण पात्र में रख लें।
6. गेहूँ की देर से बोई गई फसल जो अभी तक हरी है उसमें आवश्यकतानुसार तब सिंचाई करें जब हवा की गति कम हो, संभवतः शाम के समय, ताकि फसल को गिरने से बचाया जा सके।
7. पहाड़ी क्षेत्र में, किसानों को पीले और भूरे रंग के रतुआ पर नज़र रखनी चाहिए और प्रोपिकोनाज़ोल 25EC का छिड़काव करना चाहिए। एक लीटर पानी में एक मिलीलीटर रसायन मिलाना चाहिए और इस प्रकार 200 मिलीलीटर फफूंदनाशक को 200 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ गेहूँ की फसल में छिड़कना चाहिए।

30/3/26

(रतन तिवारी)

निदेशक